Publication: **Dainik Jagran** | Region: **Delhi** | Date: **12/05/2014** | Page No.: **12**

जुलाई से जारी होंगी ई-पॉलिसियां

नितिन प्रधान, नई दिल्ली

बहुत संभव है कि जुलाई के बाद जीवन बीमा पॉलिसी लेने पर आपको इसके कागजात संभालने की जरूरत न पड़े। बीमा नियामक इरडा के आदेश के बाद जीवन बीमा क्षेत्र की कंपनियां जुलाई से सभी पॉलिसियां डिजिटल स्वरूप में जारी करने की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए कंपनियां जल्दी ही सभी पांचों रिपॉजिटरी के साथ करार कर लेंगी।

पिछले दिनों जीवन बीमा कंपनियों और बीमा विनियामक प्राधिकरण (इरडा) के बीच हुई बैठक में पहली जुलाई से सभी पॉलिसियों को डिजिटल स्वरूप में जारी करने पर सहमति बनी। सूत्र बताते हैं कि इरडा ने सभी कंपनियों को स्पष्ट कर दिया है कि वे इस बीच रिपॉजिटरियों के साथ अपने करार कर लें।

इंश्योरेंस रिपॉजिटरी सिस्टम का उद्घाटन पिछले साल सितंबर में ही वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने किया था। जिन पांच रिपॉजिटरी को इरडा ने मंजूरी दी है, उनमें डाटाबेस मैनेजमेंट, सेंट्रल इंश्योरेंस रिपॉजिटरी, एसएचसीआइएल प्रोजेक्ट, सीएएमएस रिपॉजिटरी सर्विसेज और कार्वी इंश्योरेंस लिमिटेड शामिल हैं। ई-पॉलिसी जारी होने के बाद पॉलिसीधारक पॉलिसी के सभी कागजी दस्तावेजों को संभालने की जिम्मेदारी से मुक्त हो जाएंगे। बीमा पॉलिसी रिपॉजिटरी में इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप में सुरक्षित रहेगी। आज की तारीख में जिस तरह शेयर आपके डीमैट खाते में रहते हैं, उसी तरह बीमा पॉलिसी लेने वाले का एक रिपॉजिटरी खाता होगा, जिसमें बीमाधारक की सभी पॉलिसियां महफूज रहेंगी।

अभी केवल रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस और इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस ही ऐसी कंपनियां हैं, जिन्होंने सभी पांचों रिपॉजिटरी के साथ करार किया है। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआइसी) को भी अभी रिपॉजिटरी से करार करना बाकी है। इसके बावजूद इरडा सभी कंपनियों पर जुलाई से इस फैसले को लागू करने के लिए दबाव बनाए हुए है। रिलायंस लाइफ के सीईओ अनूप राउ का कहना है कि अपने ग्राहकों को इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप में बीमा पॉलिसी जारी करने के लिए कंपनी पांचों रिपॉजिटरी के साथ अनुबंध कर चुकी है।

शुरुआत संभव

- नियामक इरडा ने बनाया जीवन बीमा कंपनियों पर दबाव
- हर बार के केवाईसी के झंझट से मुक्त होंगे पॉलिसीधारक